RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2019-2021 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 23 DECEMBER TO 29 DECEMBER 2020 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 06 ■ अंक 18 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

उड़ान का प्रतिदिन फूड्स बिजनेस वॉल्यूम 8000 टन से अधिक हुआ

Page 3

रेलगाड़ियों से भी हो सकती है कोरोना वैक्सीन की ढुलाई

Page 5

ऑडी इंडिया ने नई ऑडी ए4 के लिए बुकिंग शुरु की

Page 7

editoria!

एक उम्मीद एक नया डर

इंग्लैंड में कोविड-19 के बदले रूप ने दहशत फैला दी है। यह देश पूरे यूरोप से कट गया है व भारत ने भी उड़ानें 31 दिसंबर तक रद्द कर दी हैं। वायरस का यह रूप 70 फीसदी ज्यादा तेजी से फैलने वाला माना जा रहा है। लेकिन इस बार स्थिति चीन के वुहान मामले से अलग है। क्योंकि जिस तेजी से अन्य देशों ने इंग्लैंड के लिए उड़ानें रद्द की हैं यह समय रहते लिया गया दुरूस्त निर्णय है। पहले इस बात की चर्चा भी रही है कि चीन में वायरस फैलने के बाद उड़ाने रद्द करने में देरी से निर्णय लिया गया था। इटली, ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड, दक्षिणी अफ्रीका व डेनमार्क में भी कोरोना के नए रूप के फैलने की चर्चा बनी हुई है। चिंता इस बात की है कि भले ही दुनिया के कई देशों ने कोरोना के प्रभाव को खत्म करने का टीका तैयार कर लिया है परंतु सवाल यह भी उठता है कि नया टीका वायरस के नए रूप की रोकथाम के लिए कारगार सिद्ध होगा या नहीं। फिर भी जरूरत घबराने की नहीं बल्कि जागरूक होने की है। जहां तक भारत का संबंध है सरकार के प्रयासों व लोगों की जागरूकता से बहुत बड़े स्तर पर सफलता हासिल हुई है। भारत में रिकवरी दर अमेरिका व अन्य विकसित देशों से कहीं ज्यादा है। वैक्सीन ईजाद करने में भी भारत का मुकाबला किसी ताकतवर देश से कम नहीं। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने अगले वर्ष जनवरी के किसी भी सप्ताह में टीके लगाने की शुरूआत करने का भरोसा जताया है। 30 करोड़ लोगों को टीका लगाने का लक्ष्य पहले पड़ाव में तय किया गया है। मंत्री का यह बयान कि बुरा समय खत्म हो गया है, वास्तविकता के नजदीक है। लेकिन अब इंग्लैंड में पैदा हुए नए खतरे के मद्देनजर सरकार को पूरी तरह चौकस रहने की आवश्यकता है। एक तरफ देश में कोविड-19 से निपटने के लिए वैक्सीन आने की उम्मीद बनी हुई है, वहीं दूसरी तरफ इंग्लैंड में नए पैदा हुए वायरस का अन्य देशों में पहुंचने का खतरा बढ़ गया है। नई चुनौती के साथ निपटने के लिए पूरी दुनिया को जागरूक होना होगा। इंग्लैंड में अगर लॉकडाऊन लगता है, तब दोबारा लाईन पर आ रही अर्थ व्यवस्था को भी झटका देगा। ऐसे हालातों में संयुक्त राष्ट्र, विश्व स्वास्थ्य संगठन व अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की जिम्मेवारी भी बढ़ गई है।

नवंबर में भारत के कच्चे तेल का उत्पादन पांच प्रतिशत घटा

नयी दिल्ली। भारत के कच्चे तेल का उत्पादन नवंबर में पांच प्रतिशत घट गया जिसका मुख्य कारण निजी क्षेत्र की कंपनी केयर्न वेदांत द्वारा संचालित राजस्थान ऑइलफील्ड्स में उत्पादन में भारी गिरावट आना है। सरकारी आंकड़ों में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। भारत अपनी जरूरतों के 85 प्रतिशत भाग के लिए आयात पर निर्भर है और सरकार घरेलू कंपनियों को उत्पादन बढ़ाने को प्रेरित कर रही है ताकि आयात में कटौती करने में मदद मिल सके। नवंबर में कच्चे तेल का उत्पादन 24.8 लाख टन का हुआ, जो एक साल पहले इसी महीने में उत्पादित 26.1 लाख टन से कम है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, राजस्थान के तेल क्षेत्रों ने 476,990 टन कच्चा तेल यानी 9.6 प्रतिशत कम कच्चातेल उत्पादन किया क्योंकि विभिन्न कारणों से केयर्न ब्लॉक के मंगला, ऐश्वर्या और अन्य क्षेत्रों में कम कच्चे तेल का उत्पादन किया जा सका। सरकारी उपक्रम तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) ने 1.5 प्रतिशत कम कच्चे तेल का उत्पादन किया जिसका कारण नए तेलक्षेत्रों में अनुमान ये कम उत्पादन होना था। ऑयल इंडिया लिमिटेड ने असम में 6.6 प्रतिशत कम तेल का उत्पादन किया। अप्रैल-नवंबर के दौरान, भारत का तेल

उत्पादन छह प्रतिशत घटकर दो करोड़ 4.2 लाख टन रह गया। इस दौरान राजस्थान का उत्पादन 16 प्रतिशत घटकर 39.1 लाख टन रह गया। देश में प्राकृतिक गैस का उत्पादन नवंबर में नौ प्रतिशत घटकर 2.3 अरब घन मीटर रह गया, जिसका मुख्य कारण पूर्वी अपतटीय क्षेत्र उत्पादन में गिरावट आना है। ओएनजीसी ने हजीरा प्रसंस्करण संयंत्र के रखरखाव मरम्मत के काम के लिए बंद होने के बाद यहां 3.7 प्रतिशत कम गैस का उत्पादन किया जा सका। अप्रैल-नवंबर के दौरान गैस का उत्पादन 18.7 अरब घन मीटर था, जो पिछले वर्ष की तुलना में 11.8 प्रतिशत कम है। धीरे-धीरे अर्थव्यवस्था में तेजी शुरु होने के साथ, देश की 23 रिफाइनरियों द्वारा कच्चे तेल की प्रसंस्करण की स्थिति तेजी से सामान्य हो रही है। उन्होंने नवंबर में दो करोड़ 7.8 लाख टन कच्चे तेल का प्रसंस्करण किया, जो साल-दर-साल के आधार पर 5.11 प्रतिशत कम है। लेकिन यह अक्टूबर 2020 में 1.83 करोड़ टन कच्चे तेल की तुलना में 13 प्रतिशत अधिक प्रसंस्करण को दर्शाता है। शीर्ष रिफाइनर इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) की नौ इकाइयों ने नवंबर के दौरान 100 प्रतिशत से अधिक क्षमता पर काम किया और ऐसा ही भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) की इकाइयों ने भी किया।

मोबाइल ऐप पर झटपट कर्ज पड़ सकता है महंगा, आरबीआई ने किया अलर्ट

मुंबई। एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक ने लोगों को अनाधिकृत तरीके से डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और मोबाइल ऐप के जरिये कर्ज की पेशकश करने वालों को लेकर सतर्क रहने को कहा है। आरबीआई ने बुधवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि ऐसी रिपोर्ट है कि लोग/छोटे कारोबारी शीघ्र और बिना किसी झंझट के कर्ज देने का वादा करने वाले अनाधिकृत डिजिटल मंचों और ऐप के झांसे में फंस रहे हैं। विज्ञप्ति के अनुसार रिपोर्ट में अत्यधिक ब्याज दर और पिछले दरवाजे से अतिरिक्त लागत मांगे जाने की भी बात कही गयी है। साथ ही वे वसूली के ऐसे कड़े तरीके अपना रहे हैं, जो स्वीकार्य नहीं किया जा सकता और कर्जदारों के मोबाइल फोन पर आंकड़ों तक पहुंच समझौते का दुरूपयोग कर रहे हैं। आरबीआई ने कहा, 'लोगों को सलाह दी जाती है कि वे इस प्रकार की भ्रामक गतिविधियों को लेकर सतर्क रहें तथा डिजिटल एवं मोबाइल ऐप के जरिये कर्ज की पेशकश करने वाली कंपनी/इकाई की अच्छी तरह से जांच-पड़ताल करें।'

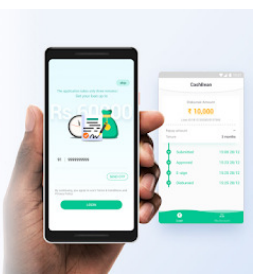

केवाईसी की कॉपी न करें साझा

केंद्रीय बैंक ने ग्राहकों से केवाईसी (अपने ग्राहकों को जाने) की कॉपी भी अज्ञात लोगों या अनाधिकृत ऐप पर साझा नहीं करने को कहा है। बैंक का कहना है कि इस प्रकार के ऐप या ऐप से संबद्ध बैंक खाता सूचना के बारे में संबंधित कानूनी प्राधिकरण को जानकारी दे। इसके अलावा ऐसे ऐप, डिजिटल मंच के बारे में 'ऑनलाइन शिकायत' https:achet.Ri.org.in पर की जा सकती है। वैध तरीके से कर्ज दने का काम बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) कर सकती हैं जो आरबीआई के पासं पंजीकृत हों। साथ ही वे इकाइयां जो सांविधिक प्रावधानों के तहत राज्य सरकारों द्वारा नियमित हों, कर्ज देने का काम कर सकती हैं। रिजर्व बैंक ने यह भी व्यवस्था दी है कि बैंकों और एनबीएफसी की तरफ से डिजिटल कर्ज मंच का संचालन करने वालों को संबंधित वित्तीय संस्थानों का नाम ग्राहकों के समक्ष स्पष्ट तौर पर रखना होगा। पंजीकृत एनबीएफसी के नाम और पते आरबीआई की वेबससाइट से प्राप्त किए जा सकते हैं।

क्रेडिट कार्ड, संपत्ति के बदले कर्ज के भुगतान में 'चूक' बढ़ी : रिपोर्ट

मुंबई। एजेंसी

खुदरा ऋण क्षेत्र में कर्ज के भुगतान में खासा इजाफा हो रहा है। सबसे अधिक चूक संपत्ति के बदले कर्ज और क्रेडिट कार्ड के भुगतान में हो रही है। क्रेडिट इन्फॉर्मेशन ब्यूरो की बुधवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। ट्रांसयूनियन सिबिल ने कहा, ''अगस्त के अंत तक 90 दिन के बाद क्रेडिट कार्ड के जरिये बकाया कर्ज पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 0.51 प्रतिशत बढ़कर 2.32 प्रतिशत पर पहुंच गया। वहीं संपत्ति के एवज में कर्ज पर चूक 0.34 प्रतिशत बढ़कर 3.96 प्रतिशत पर पहुंच गई।'' ब्यूरो ने कहा कि क्रेडिट कार्ड के भुगतान में चूक से पता चलता है कि अर्थव्यवस्था में व्यापक सुस्ती है। इसके अलावा महामारी की वजह से लोगों के वेतन में कटौती हुई है और बड़ी संख्या में लोगों का रोजगार भी छिन गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि क्रेडिट कार्ड के कर्ज का भुगतान ग्राहकों की भुगतान की प्राथमिकता में निचले स्तर पर होता है। ग्राहक पहले अपने अन्य ऋण खातों का भुगतान करना पसंद करते हैं। वहीं संपत्ति के बदले ऋण छोटी इकाइयों द्वारा कार्यशील पूंजी की जरूरत को पूरा करने के लिए किया जाता है। कोविड-19 से पहले ही इस खंड में चूक बढ़ रही थी।

डिजिटली एफपीओ और एग्री एंटरप्राइजेज को जोड़ने के लिए

समुन्नति ने भारत का पहला इकोसिस्टम प्लेटफॉर्म 'एग्री एलिवेट' लॉन्च किया

बेंगलुरु। एजेंसी

एग्री वैल्यू चेन उपलब्ध करवाने वाले समुन्नति ने आज एएफपी और एग्री-एंटरप्राइजेज के लिए एग्री वैल्यू चेन में सेवाओं की पेशकश करने वाला अपनी तरह के पहले पारिस्थितिकी तंत्र प्लेटफॉर्म एग्री एलिवेट को लॉन्च करने की घोषणा की। कंपनी के विज़न के अनुसार एक उच्चतर संतुलन पर काम करने के लिए वैल्यू चेन को सक्षम करके बाजारों को छोटे किसानों के लिए काम करने योग्य बनाना है। इस मंच का उद्देश्य एफपीओ और एग्री-एंटरप्राइजेज अपनी सभी सेवा जरूरतों को पूरा करने में मदद करना और कृषि में सक्रिय रूप से डिजिटल परिवर्तन का नेतृत्व करना है। एफपीओ के साथ-साथ इस क्षेत्र की प्रमुख कंपनियां जिन चुनौतियों को हल करने का प्रयास कर रही है, उनमें से प्रमुख चुनौतियों में सूचना विषमता, नेटवर्क चैनलों तक पहुंच में कमी और वित्तीय मध्यस्थता शामिल है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म एग्री एलेवेट के एक सेल्फ-वर्किंग इकोसिस्टम के रूप में कार्य करता है, सभी एग्री इकोसिस्टम खिलाड़ी, जिसमें इनक्यूबेटर, ऋणदाता, नए युग के स्टार्ट-अप्स तक ही सीमित नहीं है, एग्री इकोसिस्टम सॉल्यूशन प्रदाता अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए एक-दूसरे से बातचीत कर सकते हैं। इसके अलावा, एफपीओ के रूप में किसान और उनके सामूहिक इस मंच की सभी पहलों का केंद्र होंगे और इस पहल के प्राथमिक लाभार्थी होंगे। समुन्नति के उत्पादों और सेवाओं को अलग बनाए रखने के साथ एग्री-एलेवेट एक तटस्थ मंच के रूप में कार्य करेगा। एग्री-एलेवेट एक गैर-लाभकारी पहल है, जिसका एकमात्र उद्देश्य कृषि-इको-सिस्टम में कनेक्शन की सुविधा प्रदान करना है।

इस लॉन्च के बारे में समुन्नति के सीईओ और संस्थापक अनिल कुमार एस जी ने कहा, 'हमारे देश में बड़ी संख्या में घरों के लिए आजीविका का प्राथमिक स्रोत कृषि है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार और बड़े उद्योग को एग्री वैल्यू चैन में खिलाड़ियों के बीच बेहतर समन्वय बनाने के लिए कई पहल शुरू की है। एक एकीकृत मंच जो कृषि पारिस्थितिकी तंत्र में सभी हितधारकों को एक साथ लाता है, विशेष रूप से एफपीओ और कृषि-उद्यम को आपस में जोड़कर इस सहयोग के जरिए हर पक्ष को लाभान्वित कर सकता है। एग्री-एलेवेट के साथ, हमारा विज़न किसानों और बाजारों में आत्मनिर्भरता और सेवाओं और बाजारों तक मुफ्त पहुंच को सक्षम करने, किसानों / एफपीओ को सशक्त बनाने और सही साझेदारों की खोज करने और उनकी जरूरतों को पूरा करने वाले संघों को बनाने का है। हम एग्री-टेक चेन के खिलाड़ियों को इस प्लेटफॉर्म का लाभ पहुंचाने के लिए एग्री-टेक और कृषि में स्टार्ट-अप सहित कृषि में इको-सिस्टम खिलाड़ियों के साथ काम करने के लिए तत्पर हैं।'

शेयर बाजार में तेजी बरकरार

Sensex में 437 अंक की बढ़त तो Nifty 13601 पर हुआ बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजारों में निवेशकों के लिए मंगलवार के बाद बुधवार भी शानदार रहा।23 दिसंबर 2020 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुए। बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स (Sensex) बुधवार को 0.95 फीसदी यानी 437.49 अंक उछलकर 46,444.18

पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई के निफ्टी (Nifty) ने भी 134.80 अंक यानी 1 फीसदी की छलांग लगाई और 13,601.10 अंक के साथ बंद हुआ। आईटी, टेक, टेलिकॉम, फाइनेंस और बैंकिंग स्टॉक्स में तेजी का फायदा मिला। स्टॉक मार्केट में निवेशकों ने जमकर खरीदारी की और बाजार लगातार हरे निशान के साथ बंद हुआ। रिलायंस सिक्योरिटीज के हेड (स्ट्रैटजी) बिनोद मोदी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सुधार के संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजारों में घरेलू स्टॉक्स में आज काफी तेज रिकवरी हुई। निवेशकों ने आईटी स्टॉक्स में जमकर लिवाली की। इसके अलावा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और फार्मा सेक्टर के शेयरों पर खरीदारों का फोकस रहा। दरअसल, निवेशक ऐसे स्टॉक्स में पैसा लगाना चाह रहे हैं, जिन पर कोरोना वायरस का असर कम पड़े। मोदी ने कहा कि कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन को लेकर निवेशकों में चिंता का माहौल है।

यभी एशियाई बाजारों में रहा तेजी का रुख

भारत के अलावा एशियाई बाजारों में शंघाई, हॉन्ग कॉन्ग, सियोल और टोक्यो के बाजार बढ़त के साथ बंद हुए. यूरोप के स्टॉक एक्सचेंज भी शुरुआती कारोबार के दौरान बढ़त दिखा रहे थे। इसके अलावा ग्लोबल ऑयल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का वायदा भाव 0.12 फीसदी बढ़कर 50.14 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

डॉलर के मुकाबले रुपया आठ पैसे की तेजी से 73.76 पर बंद

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

रुपये में दो दिनों से जारी गिरावट पर रोक लग गया और अंतर बैंक विदेशी विनिमय बाजार में बुधवार को अमेरिकी डालर के मुकाबले रुपया कारोबार की समाप्ति पर आठ पैसे की तेजी के साथ 73.76 (प्रारंभिक आंकड़ा) रुपये प्रति डालर पर बंद हुआ। कारोबार की शुरुआत में डालर के मुकाबले रुपया 73.89 पर खुला। दिन में यह ऊंचे में 73.73 रुपये और नीचे में 73.90 रुपये प्रति डालर के दायरे में रहा। अंत में यह पिछले दिन के मुकाबले आठ पैसे की तेजी के साथ 73.76 रुपये प्रति डालर पर बंद हुआ। मंगलवार को बाजार 73.84 रुपये प्रति डालर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के समक्ष डालर की स्थिति बताने वाला डालर इंडेक्स 0.29 प्रतिशत टूटकर 90.39 पर रहा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 437.49 अंक की तेजी के साथ 46,444.18 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजार के प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध लिवाल बने रहे जहां मंगलवार को उन्होंने 1,153 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीद की। इस बीच वैश्विक बाजार में ब्रेंट कच्चा तेल भाव 0.02 प्रतिशत बढ़कर 50.09 डालर प्रति बैरल पर बोला गया।

एसबीआई ने इजरायली कॉरपोरेट समुदाय को वैश्विक व्यापार वित्त समाधान का विस्तार किया

तेल अवीव। एजेंसी

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने इजरायल के कॉरपोरेट समुदाय को व्यापार वित्त समाधान और सेवाओं की पेशकश की है, जिससे उन्हें हाल में हुए अब्राहम समझौते से पैदा हुई व्यापारिक संभावनाओं का फायदा उठाने में मदद मिलेगी। अब्राहम समझौते से इजरायल तथा अरब देशों के बीच संबंध सामान्य होंगे। एसबीआई तेल अवीव शाखा से सीईओ बी वी रामाना ने पीटीआई-भाषा को बताया कि कोविड-19 महामारी के चलते लागू किए गए लॉकडाउन के बाद हुए असर के बाद अब अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक गतिविधियों ने रफ्तार पकड़ ली है। उन्होंने कहा, ''आने वाले महीनों में दुनिया भर में विभिन्न सरकारों द्वारा वैक्सीन को मंजूरी दिए जाने के साथ ही व्यावसायिक गतिविधि के पुनरुद्धार के मद्देनजर हम इजरायल के कॉरपोरेट समुदाय को सीमा पार व्यापार जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिस्पर्धी मूल्य पर अपनी सेवाएं / उत्पाद मुहैया करा रहे हैं।'' इजरायल और अरब देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए हाल ही में हुए अब्राहम समझौते से पैदा होने वाली विशाल व्यापारिक क्षमता का फायदा उठाने के लिए तेल अवीव शाखा इजरायल के निर्यातकों से संपर्क कर रही है। रामाना ने कहा कि पश्चिम एशिया और खासतौर पर खाड़ी क्षेत्र में एसबीआई की पर्याप्त मौजूदगी है, जो यूएई और बहरीन में कॉरपोरेट के साथ व्यापार संबंध स्थापित करने की चाहत रखने वाले लोगों के लिए एक उत्प्रेरक का काम कर सकता है। इस कदम का इजरायल-भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स ने स्वागत किया है जो एसबीआई को एक स्वाभाविक साझेदार के रूप में देखता है। इजरायल-भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रवीव बायरन ने बताया, ''हम भारतीय स्टेट बैंक को एक स्वाभाविक भागीदार के रूप में देखते हैं और हमने अपने कई सदस्यों से एसबीआई के साथ बैंकिंग गतिविधि शुरू करने की सिफारिश भी की है।'' एसबीआई की तेल अवीव शाखा 2007 से विभिन्न उद्योगों और व्यावसायिक क्षेत्रों की बैंकिंग जरूरतों को पूरा कर रही है। एसबीआई के 32 देशों में 233 केंद्र हैं और 56 देशों के 225 बैंकों के साथ उसके बैंकिंग संबंध हैं।

एमार और जूम नए साल की पूर्व संध्या के जश्न की वर्चुअल मेजबानी करेंगे

दुबई। एजेंसी

बुर्ज खलीफा के मास्टर डेवलपर एमार ने जूम वीडियो कम्युनिकेशन के साथ मिलकर ग्लोबल जूम वीडियो कॉल में डाउनटाउन दुबई से नए साल की पूर्व संध्या समारोह का आयोजन किया है। दुनिया भर के 50,000 से अधिक लोगों को 2021 में ट्यून-इन और अशर में आमंत्रित किया जाएगा, जो जूम पर आयोजित होने वाले नए साल की पूर्व संध्या समारोह में पहली बार आएंगे। एमार एनवाईई 2021 को जूम पर 8:30 बजे जीएसटी (+4 जीएमटी) से लाइव प्रसारित किया जाएगा, जिसमें डाउनटाउन दुबई में आतिशबाजी, लाइट और लेजर शो की भव्य कृति होगी। जूम में इंटरनेशनल के प्रमुख अबे स्मिथ ने कहा, 'एमार के साथ इस तरह के स्मारकीय कार्यक्रम में भाग लेने पर गर्व और सम्मान मिलता है, जहां हमारा मंच दुनिया भर के लोगों को भाग लेने की अनुमति देगा।'जूम पर लाइव ईवेंट तक पहुंचने के लिए https://bit.ly/34ARq2L लिंक के माध्यम से पंजीकरण आवश्यक है।

एफडीआई वृद्धि की रफ्तार 2021 में भी 'शानदार' बनी रहेगी

नयी दिल्ली। एजेंसी

सरकार को मानना है कि भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की तेज रफ्तार नए साल में भी 'शानदार' बनी रहेगी, क्योंकि उनका आकलन है कि सरकार द्वारा कारोबारी माहौल को बेहतर बनाने के लिए लगातार किए जा रहे सुधारों के साथ विदेशी निवेशकों की भारत में दिलचस्पी बढ़ रही है। एफडीआई नियमों में राहत के साथ ही रक्षा उत्पादन उन क्षेत्रों में शामिल होगा, जहां आने वाले महीनों में ताजा विदेशी निवेश आने की उम्मीद है, जबकि व्यवसायों के कागजी कार्रवाई के बोझ को कम करने की प्राथमिकता भी रहेगी। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव गुरुप्रसाद महापात्रा के अनुसार वैश्विक मंदी और कोविड - 19 महामारी के बावजूद भारत ने एफडीआई में एक महत्वपूर्ण छलांग दर्ज की। मुकेश अंबानी के जियो प्लेटफॉर्म्स में फेसबुक के भारी निवेश ने भारत को जनवरी-सितंबर 2020 के दौरान लगभग 43.5 अरब अमरीकी डालर की एफडीआई हासिल करने में मदद की और ये सिलसिला आगे भी जारी रहने की उम्मीद है। महापात्रा ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''इस समय वैश्विक मंदी थी। हमने यह भी सोचा कि भारत में एफडीआई के वृद्धि के रुझान जो बेहद उत्साहजनक थे, उनमें कोविड महामारी के बाद गिरावट आ सकती है। लेकिन, ऐसा हुआ नहीं और एफडीआई तेजी से बढ़ रहा है। अब 2021 में भी ये (एफडीआई वृद्धि) अच्छी रहनी चाहिए।''

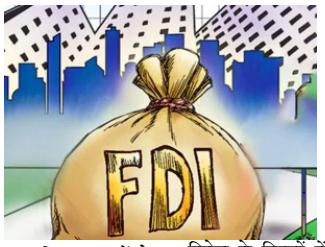

सरकार ने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर मार्च के अंत में देशव्यापी लॉकडाउन लागू किया, हालांकि इस फैसले से आर्थिक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हुईं। इस बीच सरकार ने रक्षा उत्पादन जैसे क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के नियमों में ढील दी और इसका असर आगे देखने को मिलेगा। महापात्रा ने आगे कहा कि कारोबार में सुविधा के लिए कई कदम उठाने के बाद अब सरकार व्यवसायों के अनुपालन बोझ को कम करने के लिए काम कर रही है।सरकार ने कोयला खनन, अनुबंध विनिर्माण और एकल-ब्रांड खुदरा व्यापार में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के नियमों में छूट दी है। भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश इक्विटी प्रवाह अप्रैल 2000 से सितंबर 2020 के बीच 500 अरब डॉलर के स्तर को पार कर गया, जिससे देश की साख निवेश गंतव्य के रूप में मजबूत हुई। इसमें से लगभग 29 प्रतिशत एफडीआई मॉरीशस मार्ग से आया।

फार्मकार्ट और वेलाग्रो के बीच उत्पाद वितरण साझेदारी

अब मध्य भारत के किसानों को मिलेंगे वेलाग्रो के विश्वस्तरिय बायोस्टिमुलेंट

बड़वानी। आईपीटी नेटवर्क

विश्व में बायोस्टिमुलेंट और विशिष्ट पोषक तत्वों की प्रमुख निर्माता इटली की वैलाग्रो ने मध्य भारत में अपने उत्पादों के वितरण के लिए कृषि नवाचार स्टार्टअप फार्मकार्ट से हाथ मिलाया है। फार्मकार्ट के ग्रोथ और पार्टनरशिप हेड आकाश कंधारी के अनुसार, 'इस साझेदारी के तहत मध्य भारत के किसानों को हमारे ई-कॉमर्स प्लेटफार्म पर उन्नत बायोस्टिमुलेंट उपलब्ध होंगे। अभी हम निमाड़ क्षेत्र से शुरुआत कर रहे हैं, आने वाले दिनों में भी अन्य क्षेत्रों में भी हम यह उत्पाद उपलब्ध करवाएंगे।' फार्मकार्ट एक कृषि नवाचार कंपनी है जो ग्रामीण और तकनीक न जानने वाले किसानों के लिए तकनीकी समाधान बनती है। वर्तमान में, फार्मकार्ट के माध्यम से विश्व प्रसिद्घ कंपनियों के करीब 700 उत्पाद 150,000 से ज्यादा किसानों को 12,00 स्थानों पर उपलब्ध हैं।

फार्मकार्ट और वेलाग्रो दोनों ही कंपनियों को कृषि के क्षेत्र में स्थायी समाधानों के लिए जाना जाता है। इसलिए यह साझेदारी और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

वेलाग्रो बायोसाइंसेज के कंट्री मैनेजर संजय कुमार टोकला के अनुसार, 'ग्राहक ही हमारी रणनीति और गतिविधियों का केंद्र हैं क्यों कि उनके साथ के बिना हम चिरस्थायी कृषि के अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकते। इसलिए फार्मकार्ट के साथ साझेदारी वेलाग्रो के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस साझेदारी की मदद से हम भारतीय किसानों की ज़रूरतों का स्थायित्व और उत्पादकता से मेल करवा कर फसल वृद्धि में उनकी मदद कर पाएंगे।'

फार्मकार्ट और वेलाग्रो की इस साझेदारी से मध्य भारत में किसानों को प्राकृतिक मूल के सक्रिय तत्वों के बनें विशेष बायोस्टिमुलेंट उपलब्ध हो पाएंगे। 'साथ ही, यह साझेदारी हमारे किसानों के लिए आधुनिक और ज़रूरी कृषि सामग्री सुलभ और वहन करने योग्य बनाने के लक्ष्य की भी पूर्ति करती है,' कहा कंधारी ने। पिछले 40 वर्षों से, वैलाग्रो को कृषि की देखभाल और पोषण के लिए अभिनव और चिरस्थायी समाधान निर्माण के लिए जाना जाता है। कंपनी की यूरोप, अफ्रीका, उत्तरी अफ्रीका, अमेरिका में मजबूत उपस्थिति है। वर्तमान में, यह एशिया प्रशांत क्षेत्र में अपने बाजार का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। वेलाग्रो ने 2015 में भारत में कदम रखा। कंपनी अपने टर्नओवर का 50-55 फीसदी हिस्सा बायोस्टिमुलेंट से ही अर्जित करती है। इस साझेदारी से वेलाग्रो मध्य भारत में कदम रख रही है। फिलहाल इस क्षेत्र में, वेलाग्रो के उत्पाद फार्मकार्ट के माध्यम से ही उपलब्ध हैं।

उड़ान का प्रतिदिन फूड्स बिजनेस वॉल्यूम 8000 टन से अधिक हुआ

एजेंसी

उड़ान, भारत के सबसे बड़े बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, ने आज अपने प्लेटफॉर्म पर एफएमसीजी, स्टेपल और फ्रेश प्रॉडक्ट्स से जुड़े फूड्स बिजनेस का ट्रांजैक्शन वॉल्यूम 8000 टन प्रति दिन पार करने की घोषणा की है। फूड्स केटेगरी में प्लेटफॉर्म पर हएट्रांजैक्शन वॉल्यूम ने उड़ान को देश में सबसे बड़ा किराना प्लेटफॉर्म बना दिया है। यह वॉल्यूम सिंगापुर/डेनमार्क/फिनलैंड/नॉर्वे के भोजन की दैनिक खपत से अधिक है। पिछले दो वर्षों में फूड्स बिजनेस में उड़ान प्लेटफॉर्म ने वॉल्यूम में 500ङ से अधिक की मजबूत वृद्धि दर्ज की है। महामारी के दौरान, पिछले छह महीनों में प्लेटफॉर्म ने अकेले फूड्स बिजनेस में 50ङ से अधिक खरीदारों को जोड़ा है। प्लेटफॉर्म पर इन खरीदारों ने बार-बार खरीदारी की जो महत्वपूर्ण प्रगति है, और यहप्लेटफॉर्मके प्रति उनके आत्मविश्वास को दर्शाता है। प्लेटफॉर्म औसतन 50 शहरों में सिर्फ फूड्स केटेगरी में ही एक महीने में 30लाख से अधिक ऑर्डर प्राप्त करता है। कुल मिलाकर, राष्ट्रीय स्तर पर 900 शहरों के सभी व्यावसायिक क्षेत्रों में, उड़ान रोजाना 1.5 लाख से अधिक ऑर्डर की डिलिवरी करता है।

प्लेटफॉर्म पर 15 लाख से अधिक किराना दुकानें, होरेका (HoReCa), किसान ऑर्डर देते हैं, जिसके चलते फूड्स प्रॉडक्ट्स सप्लाई किए जाते हैं। परिणामस्वरूप, यह फूड ई-कॉमर्स बिजनेस में उड़ान को अग्रणी बनाता है। प्लेटफॉर्म किराना सामान, पेय पदार्थ, अनाज, दालें, मसाले, खाद्य तेलों, घरेलू और पर्सनल केयर केटेगरी, फ्रेश, डेयरी से लेकर घरेलू उपयोग वाले प्रॉडक्ट्स की विस्तृत रेंज तक, 20,000 से अधिक प्रॉडक्ट्स उपलब्ध कराता है। इस उपलब्धि को हासिल करने के बारे में बताते हुए, विवेक गुप्ता,हेड, फूड्स बिजनेस, उड़ान, ने कहा, 'समय पर बाजार तक पहुंचना फूडस बिजनेस में एक प्रमुख चुनौती है। मजबूत और भरोसेमंद लॉजिस्टिक्स नेटवर्क की कमी से इन प्रॉडक्ट्स का एक महत्वपूर्ण प्रतिशत बर्बाद हो जाता है। उड़ान की मजबूत सप्लाई चेन नेटवर्क जिसमें 900 से अधिक शहर, और 12,000 से अधिक पिन कोड हैं, न केवल समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करते हैं, बल्कि बेहतर कीमत पर खरीदारों को गुणवत्तापूर्ण और फ्रेश प्रॉडक्ट भी प्रदान करते हैं। हमारी पार्टनर एफएमसीजी कंपनियों को उड़ान प्लेटफॉर्म पर 30 लाख से अधिक किराना दुकानों और रिटेलर्स तक सीधे राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच मिलती है, जिससे उनके टारगेट मार्केट्स का विस्तार होता है। उड़ान में फूड वॉल्यूम में वृद्धि हमारे प्लेटफॉर्म के प्रति पार्टनर एफएमसीजी कंपनियों, खरीदारों और विक्रेताओं के विश्वास को दर्शाती है। यह टेक्नोलॉजी की ताकत का लाभ उठाने वाले देश में बिजनेस के वातावरण को बदलने की हमारी सोच के अनुरूप है।'

udaan

अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सीएफओ का विश्वास सर्वकालिक निचले स्तर पर : रिपोर्ट

नयी दिल्ली। एजेंसी

देश की कुल वित्तीय और वृहद-आर्थिक स्थिति को लेकर कंपनियों के मुख्य वित्त अधिकारियों (सीएफओ) का भरोसा अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। डन एंड ब्रैडस्ट्रीट (डीएंडबी) कम्पोजिट सीएफओ विश्वास सूचकांक रिपोर्ट में करीब 350 अधिकारियों की राय शामिल की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर सीएफओ का विश्वास 8.4 प्रतिशत घटकर 98.1 प्रतिशत पर आ गया, जो इसका सर्वकालिक निचला स्तर है। हालांकि, तिमाही-दर-तिमाही आधार पर यह सूचकांक 32.1 प्रतिशत बढ़ा है। रिपोर्ट के अनुसार, ज्यादातर सीएफओ का मानना है कि अभी उनकी जोखिम उठाने की क्षमता प्रभावित रहेगी। रिपोर्ट में कहा गया है, ''सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में गिरावट की दर चालू वित्त वर्ष की दूसरी जुलाई-सितंबर तिमाही में उल्लेखनीय रूप से काफी कम रही है। आर्थिक गतिविधियां बढ़ रही है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी और चौथी तिमाही में जीडीपी में मामूली वृद्धि की उम्मीद है।'' रिपोर्ट में कहा गया है कि चौथी तिमाही में सर्वे में शामिल सीएफओ की परिचालन मार्जिन/मुनाफे वाली कंपनियों की संख्या 2019 की समान तिमाही की तुलना में बढ़ी हैं। हालांकि, उनकी जोखिम उठाने की क्षमता अभी कम है। डन एंड ब्रैडस्ट्रीट के वैश्विक मुख्य अर्थशास्त्री अरुण सिंह ने कहा, ''सर्वे में शामिल सिर्फ 18 प्रतिशत सीएफओ का मानना है कि मौजूदा परिदृश्य में उनकी जोखिम क्षमता बढ़ेगी। यह इस सूचकांक के शुरू होने यानी 2012 की दूसरी तिमाही के बाद का सबसे निचला स्तर है।''

FREE में सेव करें 20GB डेटा DigiBoxx को टक्कर देने आया देसी स्टोरेज प्लेटफार्म

नई दिल्ली। एजेंसी

मेड इन इंडिया क्लाउड स्टोरेज सर्विस DigiBoxx को नीति आयोग ने लॉन्च कर दिया है। इस सर्विस के लॉन्च होने से भारतीयों का डेटा देश में ही सुरक्षित रहेगा। इस क्लाउड स्टोरेज और फाइल शेयरिंग सेवा की घोषणा नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कान्त ने की। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को बढ़ावा देगा। DigiBoxx का लॉन्च ऐसे समय में बेहद अहम हो जाता है जब कुछ दिन पहले ही गूगल ने ये घोषणा की है कि वह 1 जून 2021 से अनलिमिटेड फ्री फोटो अपलोड ऑफर नहीं करेगा।

क्लाउड एक ऐसी सर्विस है, जिसमें यूजर अपना डेटा ऑनलाइन स्टोर रख सकते हैं और जरूरत पड़ने पर बस एक क्लिक पर डेटा को ऑनलाइन एक्सेस कर सकते हैं। बता दें कि अभी तक ये सर्विस विदेशी कंपनी ही भारत में ऑफर करती थी। DigiBoxx के जरिए आप अपनी एक आईडी बनाकर अपने डेटा को स्टोर कर सकते हैं और ई-मेल के साथ मोबाइल नंबर के जरिए दूसरों के साथ शेयर भी कर सकते हैं। साथ ही अुर्दें के फाइल को InstaShare के जरिए तुरंत शेयर किया जा सकेगा। DigiBoxx को अभी सिर्फ वेब एक्सेस किया जा सकता है। लेकिन जल्द ही एंड्रॉयड और ग्थ्ए पर भी इस सर्विस को लॉन्च किया जाएगा। कीमत की बात करें तो Digiboxx की फ्री सर्विस भी है जिसमें आपको 20GB की स्टोरेज मिलेगी और अधिकतम 2GB तक की फाइल को अपलोड करने का मौका मिलेगा।

ज्यादा डाटा सेव करने के लिए देना होगा चार्ज

बाकी क्लाउड सर्विस की तरह ही DigiBoxx का सब्सक्रिप्शन प्लान सालाना और प्रतिमाह के हिसाब से आता है। DigiBoxx की क्लाउड सर्विस का सब्सक्रिप्शन मात्र 30 रुपये प्रति माह के हिसाब से ले सकते हैं। इसमें 5TB स्टोरेज मिलेगी और अधिकतम 10GB तक की फाइल को अपलोड कर पाएंगे। साथ ही इसमें अपने उर्स्ट को भी कनेक्ट कर सकते हैं। 999 रुपये वाले प्लान में 50TB तक की स्टोरेज मिलेगी और अधिकतम 10GB की फाइल को अपलोड किया जा सकेगा। इसमें 500 लोगों को एक्सेस मिल सकता है।

अब घर बैठे आधार में अपडेट होंगे नाम, पता, जन्मतिथि

UIDAI ने फिर शुरू की सर्विस

नई दिल्ली। एजेंसी

आधार कार्ड (Aadhaar Card) धारकों के लिए बड़ी खबर है। आधार से जुड़ी सेवाएं देखने वाली अथॉरिटी UIDAI ने एक बार फिर नागरिकों को आधार में डेमोग्राफिक डिटेल्स घर बैठे अपडेट करने की सहूलियत दे दी है। इसके चलते अब आधार कार्डधारक ऑनलाइन माध्यम से UIDAI की वेबसाइट के जरिए आधार में अपना नाम, पता, जन्मतिथि (Date of Birth) और लिंग (Gender) अपडेट करा सकेंगे।

UIDAI ने बीच में पते को छोड़कर अन्य सभी डेमोग्राफिक डिटेल्स आधार में ऑनलाइन अपडेट कराने की सुविधा बंद कर दी थी। यानी नागरिक आधार में केवल पते को घर बैठे अपडेट करा सकते थे। बाकी डेमोग्राफिक डिटेल्स व बायोमेट्रिक डिटेल्स के अपडेशन के लिए उन्हें आधार सेंटर जाना होता है। लेकिन अब आधार में पते के साथ-साथ नाम, जन्मतिथि और जेंडर भी ऑनलाइन अपडेट हो जाएगा।

ऑनलाइन कैसे कराएं अपडेशन

UIDAI की वेबसाइट पर नाम, पता, जन्मतिथि और लिंग ऑनलाइन अपडेट कराने के लिए आपको 'माई आधार' सेक्शन में जाकर 'अपडेट योर आधार' पार्ट में 'अपडेट डेमोग्राफिक्स डेटा ऑनलाइन' पर क्लिक करना होगा। इसके बाद एक नया पेज खुलेगा। चाहें तो डायरेक्ट https://ssup.uidai.gov.in/ssup/ पर विजिट कर सकते हैं। याद रखें आधार से जुड़ी कोई भी डिटेल ऑनलाइन अपडेट कराने के लिए आपका मोबाइल नंबर आधार में रजिस्टर होना चाहिए क्योंकि इस पर प्रक्रिया के दौरान ओटीपी आएगा।

याद रखें ये प्वॉइंट

या रखें कि आधार में नाम जीवन में दो बार, जेंडर एक बार, जन्मतिथि एक बार अपडेट कराई जा सकती है। जिस डिटेल को आप अपडेट करना चाहते हैं। उससे जुड़े वैलिड डॉक्युमेंट प्रूफ की कलर स्कैन्ड कॉपी अपलोड करनी होगी। हालांकि जेंडर अपडेशन के लिए किसी प्रूफ की जरूरत नहीं है। आधार कार्ड धारक के नाम पर अगर कोई वैलिड एड्रेस प्रूफ नहीं है, तो वह एड्रेस वैलिडेशन लेटर की मदद से पता अपडेट करा सकता है। सपोर्टिंग डॉक्युमेंट की पूरी लिस्ट UIDAI वेबसाइट पर मौजूद है।

जलमार्गों के जरिये कोयला परिवहन बढ़ाये जाने की जरूरतः आईडब्ल्यूएआई

कोलकाता। एजेंसी

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) जलमार्गों के जरिये कोयले का परिवहन बढ़ाना चाहता है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह कहा। आईडब्ल्यूएआई की चेयरपर्सन अमिता प्रसाद ने कहा कि राष्ट्रीय जलमार्ग (एनडब्ल्यू-1) में कोयले के परिवहन के लिये काफी संभावना है लेकिन इसके बावजूद कोयले की ढुलाई इस मार्ग के जरिये अभी कम है। उन्होंने इंडियन चैंबर ऑफ कामर्स के 'मल्टी मॉडल' परिवहन पर आयोजित कार्यक्रम में कहा, ''मैं कोयले की कुछ मात्रा जलमार्गों के जरिये परिवहन को लेकर आज (बुधवार) कोयला मंत्री के साथ बैठक करूंगी।'' प्रसाद ने कहा कि निकट भविष्य में अंतर्देशीय जलमार्ग का कुल परिवहन में हिस्सा 5 प्रतिशत और 2030 तक 10 प्रतिशत होना चाहिए। फिलहाल यह 2.5 प्रतिशत है। सम्मेलन में केंद्रीय सड़क परिवहन राज्यमंत्री वी के सिंह ने सरल नियम और कानून पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे चीजों क विश्लेषण सुगम होगा। उन्होंने डिजिटल तौर-तरीकों पर जोर दिया और कहा कि सभी कुछ 'ऑनलाइन' होना चाहिए। सिंह ने कहा, ''इस चुनौतीपूर्ण समय में हमें परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिये संसाधन जुटाने को लेकर नये-नये उपायों की जरूरत है।''

रिजर्व बैंक गवर्नर ने बैंकों से ऋण क्षमता बढ़ाने को कहा

मुंबई। एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने बैंकों से अपनी ऋण प्रदान करने की क्षमता बढ़ाने को कहा है। गवर्नर ने कहा कि बैंक अग्रसारी कदम उठाकर पूंजी जुटाएं और अपनी जुझारू क्षमता और ऋण क्षमता को मजबूत करें। केंद्रीय बैंक ने बुधवार को जारी बयान में यह जानकारी दी। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों के प्रमुखों के साथ दो दिन की बैठक के दौरान गवर्नर ने सावधानी बरतने और डूबे कर्ज के खिलाफ मुस्तैदी से पूंजी का प्रावधान करने पर जोर दिया। दास ने इसी तरह की बैठकें मई में भी की थीं। इसके साथ ही दास ने अन्य वित्तीय संस्थानों मसलन गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) तथा सूक्ष्म वित्त कंपनियों के साथ भी बैठक की। रिजर्व बैंक ने बयान में कहा गया है कि दास ने मंगलवार और बुधवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों तथा चुनिंदा निजी क्षेत्र के बैंकों के प्रबंध निदेशकों और मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये बैठक की। बैठक में रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर भी शामिल हुए। बैठक के दौरान गवर्नर ने मौजूदा आर्थिक स्थिति का मुद्दा उठाते हुए आर्थिक गतिविधियों के पुनरोद्धार में बैंकिंग क्षेत्र की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। वित्तीय क्षेत्र का जिक्र करते हुए दास ने रिजर्व बैंक द्वारा महामारी के दौरान अर्थव्यवस्था और वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों का जिक्र किया। बैठक में मौजूदा आर्थिक स्थिति और परिदृश्य, मौद्रिक नीति में किए गए उपायों का लाभ ग्राहकों को स्थानांतरित करने और तरलता की स्थिति पर भी चर्चा हुई। बयान में कहा गया है कि बैठक में विभिन्न क्षेत्रों...मसलन दबाव वाले क्षेत्रों और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उपक्रम क्षेत्र (एमएसएमई) को ऋण के प्रवाह पर भी विचार-विमर्श हुआ।

अगले वित्त वर्ष में 10 फीसदी की वृद्धि दर्ज करेगी इंडियन इकॉनमीः रिपोर्ट

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी की वजह से बुरी तरह प्रभावित भारतीय अर्थव्यवस्था अब सुधार की राह पर है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले वित्त वर्ष 2021-22 में भारतीय अर्थव्यवस्था 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करेगी। डेलॉयट की रिपोर्ट 'वॉयस ऑफ एशिया' में कहा गया है कि आर्थिक गतिविधियों में सुधार दिख रहा है। पीएमआई विनिर्माण सूचकांक 2008 के बाद सबसे ऊंचे स्तर पर है। कोरोना वायरस की मार से प्रभावित भारतीय अर्थव्यवस्था में चालू वित्त वर्ष की पहली अप्रैल-जून तिमाही में 23.9 प्रतिशत की गिरावट आई थी। वहीं जुलाई-सितंबर की दूसरी तिमाही में एक साल पहले की इसी अवधि के मुकाबले सकल घरेलू उत्पाद 7.5 प्रतिशत कम रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि कारों की मजबूत बिक्री, तैयार इस्पात के उत्पादन में बढ़ोतरी और डीजल की खपत बढ़ने के साथ माल एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व में वृद्धि से पता चलता है कि 'अनलॉक' के बाद अर्थव्यवस्था की स्थिति काफी तेजी से सुधर रही है। दबी मांग और त्योहारी समय की मांग ने भी अर्थव्यवस्था की स्थिति सुधारने में मदद की है। रिपोर्ट में इसके साथ ही यह भी कहा गया है कि यदि कोरोना वायरस संक्रमण के मामले ऊंचे स्तर पर बने रहते हैं, तो इस वृद्धि को कायम रखना अगले साल के दौरान चुनौतीपूर्ण होगा। रिपोर्ट कहती है, 'हमारा अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में गिरावट के बाद अगले वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था दो अंक की वृद्धि दर्ज करेगी।'

देश में अंतरदेशीय जल मार्गो के जरिये पोत परिवहन सेवाओं के लिये नये मार्गो की पहचान

नयी दिल्ली। देश के तटीय क्षेत्रों में पोत परिवहन गतिविधियों और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 'रो-रो' (रोल ऑन-रोल ऑफ) नौका सेवाओं के लिये नए मार्गों की पहचान की है। इसमें सोमनाथ मंदिर, हजीरा, ओखा और जामनगर के मार्ग शामिल हैं। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी। मंत्रालय की सागरमाला परियोजना के तहत छह अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों की पहचान भी की गयी है। सागरमाला परियोजना का लक्ष्य देश की 7,500 किलोमीटर लंबी तटीय जलरेखा का लाभ उठाना है। इसके तहत देश में बंदरगाह आधारित विकास को बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। बयान में कहा गया है, '' मंत्रालय ने हजीरा, ओखा, सोमनाथ मंदिर, दीव, पिपावाव, दाहेज, मुंबई या जवाहर लाल नेहरू बंदरगाह, जामनगर, कोच्चि, घोघा, गोवा, मुंदड़ा और मांडवी जैसे घरेलू स्थानों की पहचान की है। इन स्थानों पर आंतरिक जलमार्गों के माध्यम से फेरी सेवा की शुरुआत की जानी है।'' इसके अलावा चट्टोग्राम (बांग्लादेश), सिशलीज (पूर्वी अफ्रीका), मेडागास्कर (पूर्वी अफ्रीका) और जाफना (श्रीलंका) जैसे चार अंतरराष्ट्रीय स्थानों को जोड़ने वाले छह अंतरराष्ट्रीय मार्गों की भी पहचान की गयी है।

1 जनवरी से बदल जाएंगे पर्सनल फाइनेंस के ये 5 नियम

आपकी जेब पर होगा असर

नई दिल्ली। एजेंसी

1 जनवरी 2021 से कई नियम बदल जाएंगे, जिनका सीधा असर आम आदमी पर पड़ेगा। 1 जनवरी से चेक पेमेंट से जुड़े नियम बदल जाएंगे। इसके तहत 50,000 रुपये से अधिक भुगतान वाले चेक के लिए पॉजिटिव पे सिस्टम लागू होगा। केंद्र सरकार ने टोल प्लाजा पर टोल कलेक्शन को आसान और सुरक्षित बनाने के साथ-साथ टोल पर लगने वाले लंबे जाम से निजात पाने के लिए सभी चौपहिया गाड़ियों के लिए एक जनवरी से फास्टैग को अनिवार्य कर दिया है। आरबीआई ने कॉन्टैक्टलेस कार्ड ट्रांजेक्शन की लिमिट को बढ़ाकर 5000 रुपये प्रति ट्रांजेक्शन करने का फैसला किया है।

चौपहिया वाहनों पर अनिवार्य होगा फास्टैग लगाना

केंद्र सरकार ने टोल प्लाजा पर टोल कलेक्शन को आसान और सुरक्षित बनाने के साथ-साथ टोल पर लगने वाले लंबे जाम से निजात पाने के लिए सभी चौपहिया गाड़ियों के लिए 1 जनवरी से फास्टैग को अनिवार्य कर दिया है। लोगों की सुविधा के लिए टोल प्लाजा पर विभिन्न बैंकों के एजेंट व एनएचएआई की तरफ से काउंटर लगाए गए हैं। लोग अपने वाहन की आरसी व ड्राइविंग लाइसेंस अथवा आधार कार्ड दिखाकर हाथों हाथ फास्टैग खरीद सकते हैं। गत एक वर्ष से करीब 70 प्रतिशत वाहन फास्टैग की मदद से डिजिटली तरीके से टोल का भुगतान कर रहे हैं।

पॉजिटिव पे सिस्टम

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने कुछ दिनों पहले चेक से पेमेंट करने के लिए पॉजिटिव पे सिस्टम लागू करने का फैसला किया है। इस नए नियम के तहत 50,000 रुपये से अधिक के पेमेंट पर जरूरी डीटेल को फिर से कंफर्म करने की जरूरत होगी। चेक से पेमेंट करने का यह नया नियम 1 जनवरी 2021 से लागू हो जाएगा। RBI के गवर्नर ने अगस्त में मॉनेटरी पॉलिसी कमिटी यानी श्झ की मीटिंग में इस बात का एलान किया था। आरबीआई ने ग्राहकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पॉजिटिव पे सिस्टम लागू करने का फैसला किया है। इसका मकसद चेक का गलत इस्तेमाल रोकना है। इस सिस्टम से फर्जी चेक के जरिए होने वाले फ्रॉड को कम किया जा सकेगा।

कॉन्टैक्टलेस पेमेंट की लिमिट में बढ़ोतरी

कोविड19 के शुरू होने के बाद देश में डिजिटल पेमेंट के चलन में तेजी आई है। सरकार, RBI (Reserve Bank of India) और बैंकों की ओर से लोगों को डिजिटल और कॉन्टैक्टलेस पेमेंट का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने की सलाह कई बार दी जा चुकी है। कॉन्टैक्टलेस पेमेंट का एक जरिया कॉन्टैक्टलेस कार्ड पेमेंट भी है। लोग कॉन्टैक्टलेस कार्ड पेमेंट की मदद से ज्यादा अमाउंट में और आसानी से ट्रांजेक्शन कर सकें, इसके लिए श्झ की बैठक में कॉन्टैक्टलेस कार्ड ट्रांजेक्शन की लिमिट को बढ़ाकर 5000 रुपये प्रति ट्रांजेक्शन करने का फैसला किया गया है। अभी यह लिमिट 2000 रुपये है। यह बढ़ी हुई लिमिट 1 जनवरी 2021 से लागू होगी।

तिमाही जीएसटी रिटर्न भरने की सुविधा

सरकार ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली के तहत छोटे करदाताओं के लिए तिमाही रिटर्न दाखिल करने और करों के मासिक भुगतान (क्यूआरएमपी) की योजना शुरू की है। ऐसे करदाता जिनका पिछले वित्त वर्ष में वार्षिक कारोबार पांच करोड़ रुपये तक रहा है और जिन्होंने अपना अक्टूबर का जीएसटीआर-3बी (बिक्री) रिटर्न 30 नवंबर, 2020 तक जमा कर दिया है, इस योजना के पात्र हैं। जीएसटी परिषद ने 5 अक्तूबर को हुई बैठक में कहा था कि 5 करोड़ रुपये तक के कारोबार वाले पंजीकृत लोगों को 1 जनवरी, 2021 से अपना रिटर्न तिमाही आधार पर दखिल करने और करों का भुगतान मासिक आधार पर करने की अनुमति होगी। इससे 94 लाख छोटे कारोबारियों को राहत मिलेगी।

कार और वाहनों की कीमत में बढ़ोतरी

देश की लगभग सभी ऑटो कंपनियों ने 1 जनवरी से कीमतों में बढ़ोतरी करने का एलान किया है। इनमें सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया, हीरो मोटोकॉर्प, रेनॉ, होंडा कार्स इंडिया, टाटा मोटर्स, एमजी मोटर इंडिया और महिंद्रा एंड महिंद्रा शामिल हैं। इन कंपनियों ने 1 जनवरी से पैसेंजर और कमर्शियल वाहनों की कीमतें बढ़ाने की घोषणा की है। उनका कहना है कि इनपुट कॉस्ट में बढ़ोतरी से उनके लिए कीमतें बढ़ाना जरूरी हो गया है।

मंत्रिमंडल ने पांच फिल्म मीडिया इकाइयों के विलय को मंजूरी दी

नयी दिल्ली। एजेंसी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने फिल् म डिवीजन, फिल् म समारोह निदेशालय, भारतीय राष् ट्रीय फिल् म अभिलेखागार और बाल फिल् म सोसायटी तथा राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) के विलय को मंजूरी दे दी । केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई । सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, बुनियादी ढांचा, मानव शक्ति और अन्य संसाधनों को युक्तिसंगत बनाने के उद्देश्य से इन फिल्म मीडिया इकाइयों के विलय को मंजूरी दी गई । इसमें कहा गया है कि फिल् म मीडिया इकाइयों के एक निगम के अंतर्गत विलय से कार्यों और साधनों में एकरूपता आएगी तथा बेहतर समन् वय स् थापित होगा जिससे प्रत् येक मीडिया इकाई द्वारा आदेश पत्र हासिल करने में एकरूपता और कुशलता सुनिश्चित हो सकेगी। मंत्रालय ने कहा कि एकरूपता का कार्य करते समय सभी संबद्ध मीडिया इकाइयों के कर्मचारियों के हितों की रक्षा की जाएगी और किसी भी कर्मचारी को हटाया नहीं जाएगा। प्रमुख संगठन फिल् म मीडिया इकाइयों के विलय के परिणामस् वरूप एनएफडीसी को एक प्रबंधन के अंतर्गत फिल् म की विषयवस् तु के प्रचार निर्माण और उसे सुरक्षित रखने के संबंध में अलग ढंग से रखा जाएगा।

सरकार की 3- 4 माह में एक नया विकास वित्त संस्थान बनाने की योजनाः वित्तीय सेवा विभाग के सचिव

नयी दिल्ली। एजेंसी

सरकार की योजना अगले तीन से चार माह में एक विकास वित्त संस्थान (डीएफआई) स्थापित करने की है। सरकार की 111 लाख करोड़ रुपये की महत्वकांक्षी राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन के वित्तपोषणा के वास्ते यह संस्थान बनाया जायेगा। वित्तीय सेवा विभाग के सचिव देवाशीष पांडा ने यह बताया। देवाशीष ने पीटीआई- भाषा से खास बातचीत में कहा, ''हमें एक विकास वित्त संस्थान की जरूरत है क्योंकिं ढांचागत क्षेत्र की परियोजनाओं के लिये धैर्यशीली पूंजी की आवश्यकता होती है। सालों तक कोई नकदी सृजित नहीं करने वाली दीर्घकालिक परियोजनाओं के लिये पूंजी उपलब्ध कराने को बैंकों की स्थिति इस समय उपयुक्त नहीं है। '' बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिये बॉड बाजार को और विस्तृत करने की बात है। उस पर सरकार का ध्यान है। इस दिशा में और अधिक काम करने की आवश्यकता है ताकि एक गतिशील बॉड बाजार तैयार किया जा सके। देवाशीष पांडा ने कहा, ''जरूरी पूंजी उपलब्ध कराने, परियोजनाओं की साख रेटिंग बढ़ाने के लिये एक विकास वित्त संस्थान की आवश्यकता है। हम इस दिशा में पूरी सक्रियता के साथ काम कर रहे हैं। जल्द ही इस प्रकार का संस्थान स्थापित होगा। हम इसके लिये ब्यौरे को अंतिम रूप देने में लगे हैं। संस्थान में सरकार की हिस्सेदारी और संस्थान की स्थापना क्या कानून के जरिये की जायेगी इन मुद्दों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।'' पांडा ने कहा कि कार्य प्रगति पर है और चालू वित्त वर्ष के अंत तक अथवा अगले साल की शुरूआत में यह विकास वित्त संस्थान वास्तविकता होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने पिछले बजट भाषणा में ढांचागत परियोजनाओं के वित्त पोषण के वास्ते एक विकास वित्त संस्थान बनाने का प्रस्ताव किया था। सरकार ने राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (एनआईपी) के तहत करीब 7,000 परियोजनाओं की पहचान की है। इन परियोजनाओं पर 2020- 25 के दौरान 111 लाख करोड़ रुपये का निवेश होने का अनुमान है। देश को वित्त वर्ष 2024- 25 तक 5,000 अरब डालर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिये विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने और लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिये एनआईपी की पहल की गई है। पांडा ने कहा कि डीएफआई की इसमें वित्तपोषण उपलब्ध कराने के साथ ही अहम विकासात्मक भूमिका भी होगी। यह नया संस्थान सभी तरह के नवोन्मेषी वित्तीय तौर तरीकों को अपनायेगा। ऐसी इससे उम्मीद होगी। देश में आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत से पहले आईसीआईसीआई और आईडीबीआई भी विकास वित्त संस्थानों की ही भूमिका में थे। यहां तक कि देश का सबसे पुराना वित्त संस्थान आईएफसीआई लिमिटेड भी विकास वित्त संस्थान की ही भूमिका में रहा है।

रेलगाड़ियों से भी हो सकती है कोरोना वैक्सीन की ढुलाई

नई दिल्ली। एजेंसी

कोरोना वायरस (Corona Vaccine) के संक्रमण पर लगाम लगाने के लिए वैक्सीन (Vaccine) अब बाजार में आने ही वाली है। इसी के साथ देश भर में वैक्सीन की ढुलाई (Transportation of Vaccine) की तैयारी भी शुरू हो गई है। इस बीच, ऐसी खबरें आई हैं कि वैक्सीन प्रोडक्शन सिटी से देश के हर इलाके तक कोरोना वैक्सीन की ढुलाई के लिए रेलवे भी तैयारी कर रहा है। रेलवे का कहना है कि सड़क मार्ग के मुकाबले वह तेजी से और ज्यादा मात्रा में वैक्सीन को एक जगह से दूसरे जगह तक पहुंचा सकता है।

अभी सिर्फ तैयारी, घोषणा नहीं

रेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से खबरें सामने आई है कि रेलवे ने इस बारे में सक्षम प्राधिकार से बातचीत शुरू कर दी है। हालांकि अभी तक इस बारे में कोई घोषणा नहीं हुई है। उनका कहना है कि एक बार वैक्सीन की ढुलाई के लिए फैसला हो जाए, इसके बाद इसकी औपचारिक घोषणा की जाएगी।

वैक्सीन की ढुलाई में निश्चित तामपान जरूरी

रेल मंत्रालय के अधिकारी का

कहना है कि किसी भी वैक्सीन की ढुलाई (Transportation of Vaccine) में उसे एक निश्चित तापमान पर रखना जरूरी होता है। उसके लिए जो भी तापमान जरूरी हो, उसके लिए रेल डिब्बे में भी आवश्यक तापमान बनाए रखा जा सकता है या नहीं, इस पर चर्चा हो रही है। यह भी देखा जा रहा है कि रेफ्रिजरेटेड वैन, जो कि फल और सब्जियों की ढुलाई के लिए विकसित किया गया है, उसमें वैक्सीन की ढुलाई हो सकती है या नहीं।

अभी अंतिम निर्णय नहीं

रेलवे बोर्ड के चेयरमैन और सीईओ वी. के. यादव ने बीते शुक्रवार को संवाददाताओं से बातचीत में कहा था, कि वह संबंधित महकमे के साथ कोरोना वैक्सीन की ढुलाई पर बातचीत कर रहे हैं। वैसे, अभी तक कोई भी अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। यादव ने कहा था 'हम कोविड वैक्सीन के परिवहन के लिए कई मंत्रालयों के साथ निरंतर संपर्क में हैं। भारतीय रेल अपने कई मेल या एक्सप्रेस ट्रेनों में सब्जियों, फलों, डेयरी उत्पादों, मछली और मांस जैसे शीघ्र खराब हो सकने वाली वस्तुओं के परिवहन के लिए कई रेफ्रिजरेटिड वैन का संचालन करता है। ऐसे ही वैक्सीन की भी ढुलाई हो सकती है।'

नए तरह का पार्सल वैन डिजाइन किया गया है

रेलवे ने शीघ्र खराब होने वाली वस्तुओं की ढुलाई के लिए 17 टन की वहन क्षमता वाले एक नए रेफ्रिजरेटिड पार्सल वैन (Refrigerated Parcel Van) की डिजाइन फाइनल की है। इसे कपूरथला स्थित रेल कोच फैक्ट्री के सहयोग से विकसित किया गया है। इसमें वैन के अंदर के तापमान को नियंत्रित करने की सुविधा है। इस समय रेलवे के पास ऐसे नौ रेफ्रिजरेटिड वैन का एक रैक है। यह वैक्सीन की ढुलाई में भी उपयोगी हो सकता है।

क्रिसमस याने प्रभु यीशु का जन्म दिवस

क्रिसमस त्यौहार के लोकप्रिय गीत आया है यीशु .... बैतलेहम की गोशाले में

इस सुन्दर व मधुर गीत के साथ क्रिसमस का त्यौहार प्रभु यीशु पर विश्वास रखने वाले लोग, बड़े हर्ष एंव उल्लास के साथ मनाते है। क्रिसमस की रात्रि में घर-घर जाकर केरल्स निकाली जाती हैं। जिसके द्वारा यह बताया जाता हैं, कि प्रभु यीशु राजा ने जन्म लिया हैं। खुशी के साथ पुरे समाज के लोग घरो की सजावट के साथ घरो पर स्टार लगाते हैं।

प्रभु यीशु के जन्मदिन से सम्बंधित कई भविष्यवाणिया की गई जिसका उल्लेख बाईबल की नये नियम की पुस्तक मत्ती व लुका में स्पष्ट रूप से मिलता हैं। प्राचीन काल में सभी जानते हैं, कि उस समय राजा महाराजाओं के द्वारा प्रजा पर शासन किया जाता था। उन दिनो में हेरोदेस राजा का खौफ बेहद प्रभावशाली था। जब यहूदीया के बैतलेहम में प्रभु यीशु का जन्म हुआ। उस समय कई ज्योतिषी यरूशलेम में आकर पुछने लगे कि यहुदियों के राजा जिसका जन्म हुआ हैं, कहाँ हैं क्योकि हमने पूर्व में एक अद्भूत तारा देखा हैं, इसलिये हम उसे दण्डवत करने आये हैं, तथा ज्योतिषो ने प्रभु यीशु को पाकर उसे सोना, लोहबान व गंधरस की भेंट चढ़ाई, प्रभु यीशु के जन्म की खबर सुनकर, हेरोदेस राजा के साथ सारा यरूशलेम खबरा गया क्योकि प्रभु यीशु पवित्र आत्मा से जन्मा था। तथा वे यीशु को मार डालना चाहते थे।

अतः युसूफ व मरियम को स्वप्न में एक दूत ने यह संदेश दिया कि वे प्रभु यीशु को लेकर, मिस्र देश को चले जाये । बेतलेहम जो कि प्रसिद्ध शहर हैं जहाँ सराय में जगह

नही मिलने से छोटे से कस्बे में बालक यीशु को पाकर उसकी स्तुति की गई कि आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यो में जिनसे वह प्रसन्न हैं, शांति हो। इसलिये हर एक के मन में भोर के चमकते हुवे, तारे का प्रकाश चमके की हम उन्हें जो अधंकार में हैं उन्हें ज्योति दे सके व हम कल्याण के पद पर उन्हें ला सके इसलिये प्रभु यीशु जो कि शांती के राजकुमार कहलाये।

समूचा किश्चियन समुदायेक 25 दिस. को प्रातः प्रभु यीशु की आराधना के लिये एकत्रित होता हैं । जहाँ पर किसमस गीतो के साथ प्रभु यीशु के जन्म से सम्बंधित प्रवचन, ञ्ञ धर्म गुरू द्वारा सुनाया जाता हैं। आराधना के पशचात किसमस-ट्री के साथ, क्रिसमस केक की कंटिग कर, एक दुसरे का मीठा मुँह कराकर आपस में बधाई देते हैं।

क्या आपने पढ़ी है वास्तु पुरुष की कथा

वास्तु पुरुष की कल्पना भूखंड में एक ऐसे औंधे मुंह पड़े पुरुष के रूप में की जाती है जिसमें उनका मुंह ईशान कोण व पैर नैऋत्य कोण की ओर होते हैं। उनकी भुजाएं व कंधे वायव्य कोण व अग्निकोण की ओर मुड़ी हुई रहती हैं।

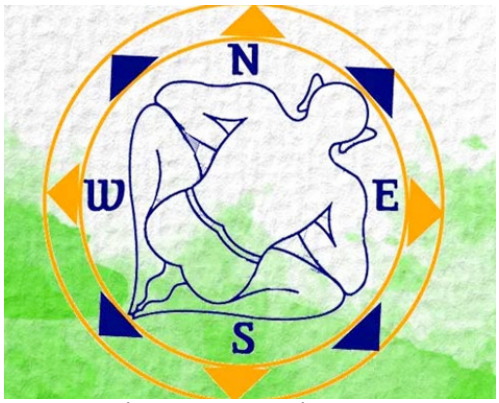

मत्स्य पुराण के अनुसार वास्तु पुरुष की एक कथा है। देवताओं और असुरों का युद्ध हो रहा था। इस युद्ध में असुरों की ओर से अंधकासुर और देवताओं की ओर से भगवान शिव युद्ध कर रहे थे। युद्ध में दोनों के पसीने की कुछ बूंदें जब भूमि पर गिरीं तो एक अत्यंत बलशाली और विराट पुरुष की उत्पत्ति हुई। उस विराट पुरुष ने पूरी धरती को ढंक लिया।

उस विराट पुरुष से देवता और असुर दोनों ही भयभीत हो गए। देवताओं को लगा कि यह असुरों की ओर से कोई पुरुष है जबकि असुरों को लगा कि यह देवताओं की तरफ से कोई नया देवता प्रकट हो गया है। इस विस्मय के कारण युद्ध थम गया और उसके बारे में जानने के लिए देवता और असुर दोनों उस विराट पुरुष को पकड़कर ब्रह्मा जी के पास ले गए।

उसे उन लोगों ने इसलिए पकड़ा कि उसे खुद ज्ञान नहीं था कि वह कौन है, क्योंकि वह अचानक उत्पन्न हुआ था। उस विराट पुरुष ने उनके पकड़ने का विरोध भी नहीं किया। फिर ब्रह्मलोक में ब्रह्मदेव के सामने पहुंचने पर उन लोगों नें ब्रह्मदेव से उस विराट पुरुष के बारे में बताने का आग्रह किया। ब्रह्मा जी ने उस वृहदाकार पुरुष के बारे में कहा कि भगवान शिव और अंधकासुर के युद्ध के दौरान उनके शरीर से गिरे पसीने की बूंदों से इस विराट पुरुष का जन्म हुआ है इसलिए आप लोग इसे धरतीपुत्र भी कह सकते हैं।

ब्रह्मदेव ने उस विराट पुरुष को संबोधित कर उसे अपना मानस पुत्र होने की संज्ञा दी और उसका नामकरण करते हुए कहा कि आज से तुम्हें संसार में 'वास्तु पुरुष' के नाम से जाना जाएगा और तुम्हें संसार के कल्याण के लिए धरती में समाहित होना पड़ेगा अर्थात धरती के अंदर वास करना होगा।

ब्रह्मदेव ने कहा कि मैं तुम्हें वरदान देता हूं कि जो भी कोई व्यक्ति धरती के किसी भी भू-भाग पर कोई भी मकान, तालाब या मंदिर आदि का निर्माण कार्य करते समय वास्तु पुरुष को ध्यान में रखकर करेगा तो उसको सफलता और हर कार्य में सिद्धि मिलेगी और जो कोई बिना तुम्हारा पूजन करे निर्माण कार्य करेगा, तो उसे तकलीफें और जीवन में अड़चनों का सामना करना पड़ेगा।

ऐसा सुनकर वह वास्तु पुरुष धरती पर आया और ब्रह्मदेव के निर्देशानुसार एक विशेष मुद्रा में धरती पर बैठ गया जिससे उसकी पीठ नैऋत्य कोण व मुख ईशान कोण में था। इसके उपरांत वह अपने दोनों हाथों को जोड़कर पिता ब्रह्मदेव व धरती माता को नमस्कार करते हुए औंधे मुंह धरती में समाने लगा।

हाथी की प्रतिमा घर में रखने से मिलेगी जीवन के हर क्षेत्र में सफलता

ज्योतिष, वास्तु और लाल किताब में हाथी को बहुत ही शुभ माना जाता है। शास्त्रों में इस पशु का संबंध विघ्नहर्ता गणपति जी और धन की देवी लक्ष्मीजी से है। जानते हैं हाथी की प्रतिमा को घर में रखने के फायदे।

■शयनकक्ष में पीतल का हाथी रखने या हाथी की बड़ी तस्वीर लगाने से पति-पत्नी में मतभेद खत्म होते हैं। ■पीतल का हाथी बैठक रूम में रखा जाए तो यह शांति और समृद्धि कारक है। इसी के साथ यह जीवन के हर क्षेत्र में सफलता दिलाता है। ■लाल किताब के अनुसर घर में या जेब में ठोस चांदी का हाथी रखना चाहिए। यह पंचम और द्वादश में बैठे राहु का उपाय है। इससे संतान को कष्ट नहीं होता और व्यापार में भी लाभ मिलता है। ■चांदी से बने हाथी को घर की उत्तर दिशा में रखना वास्तु की दृष्टि से शुभ माना गया है। यह ऐश्वर्य का प्रतीक है। ■फेंगशुई अनुसार भी हाथी की तस्वीर या मूर्ति घर में रखने से सकारात्मक उर्जा के साथ-साथ धन प्राप्ति के स्त्रोत बनते हैं। जिस हाथी की तस्वीर या मूर्ति में उसकी सूंड झुकी हो उसे लिविंग एरिया में लगाना चाहिए। इससे घर में सुख शांति बढ़ती है। और यदि हाथी की सूंड ऊपर की ओर उठी हुई है तो इसे तरक्की होती है, धन और संपत्ति बढ़ती है।

इन आसान उपायों से दूर हो जायेगा मंगल दोष

कुंडली में मांगलिक दोष होने के कारण लड़के या लड़कियों की विवाह में अक्सर देरी होती है। इसी के साथ कई बार अन्य बाधाएं भी आती हैं। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक जातक की कुंडली में मंगल के अधिक प्रभावी होने पर मांगलिक दोष होता है। लोग इसके उपचार को लेकर तरह-तरह के उपाय करते हैं। फिलहाल हम आपको कुछ ऐसे उपचार बताने जा रहे हैं जिसको करने से आप मांगलिक दोष से मुक्त हो जाएंगे। ■अगर कुंडली के लग्न, चतुर्थ, सप्तम, आठवें या बाहरवें भाव में हो तो मंगल दोष होता है। जिसे मांगलिक दोष भी कहा जाता है। अगर मंगल का लग्न आठवें भाव में होता है तो यह बहुत ही गंभीर माना जाता है। मांगलिक दोष की मुक्ति के लिए आप निम्न उपाय कर सकते हैं। ■अगर लड़की मांगलिक है तो उसके मांगलिक दोष के निवारण के लिए उसका पीपल विवाह, कुंभ विवाह, शालिग्राम विवाह आदि करने के बाद मंगल यंत्र का पूजन करने से दोष का प्रभाव कम हो जाता है। ■कई बार 28 वर्ष की उम्र के बाद ही मांगलिक दोष अपने आप खत्म हो जाता है। यदि मंगल मेष, कर्क, वृश्चिक या मकर राशि में हो तो भी मंगल दोष खत्म हो जाता है।

मान-सम्मान और वैभव पाने के लिए सूर्य को अर्घ्य देते समय बोलें ये मंत्र

हिंदू धर्म में सूर्य आराधना को बेहद खास माना गया है सूर्य की पूजा पुराने समय से होती आ रही है. सूर्य की पूजा से यश मिलता है साथ ही मान-सम्मान भी बढ़ता है. यदि जीवन में सफलता के साथ ही यश और वैभव पाना चाहते हैं तो बिना सूर्य देव की कृपा के ये संभव नहीं है. ऐसे ही दो मंत्र हैं, जिन्हें रोज बोलकर सूर्य को अर्घ्य देने से सूर्य देव की कृपा मिलती है।

सूर्य अर्घ्य देने की विधि

सूर्योदय से पहले शुद्ध होकर स्नान करें
उसके बाद उदित होते सूर्य के समक्ष आसन लगाए
आसन पर खड़े होकर तांबे के पात्र में पवित्र जल लें
उसी जल में मिश्री भी मिलाएं. सूर्य को मीठा जल चढ़ाने से जन्मकुंडली के दूषित मंगल का उपचार होता है
मंगल शुभ हो तब उसकी शुभता में वृद्धि होती है।
जैसे ही पूर्व दिशा में सूर्यागमन से पहले नारंगी किरणें दिखाई दें. दोनों हाथों से तांबे के पात्र को पकड़कर इस तरह जल चढ़ाएं कि सूर्य जल चढ़ती धार से दिखाई दें।

सूर्य अर्घ्य मंत्र

ॐ ऐही सूर्यदेव सहस्त्रांशो तेजो राशि जगत्पते।
अनुकम्पय मां भक्त्या गृहणार्घ्यं दिवाकरः।।
ॐ सूर्याय नमः, ॐ आदित्याय नमः, ॐ नमो भास्कराय नमः।
अर्घ्यं समर्पयामि।।

सूर्य ध्यान मंत्र
ध्येय सदा सवित्रृ मंडल मध्यवर्ती।
नारायणः सर सिंजासन सन्निः विष्ठः।।
केयूरवान्मकर कुण्डलवान किरीटी।
हारी हिरण्यमय वपुधृत शंख चक्र।।
जपाकुसुम संकाशं काश्यपेयं महाधुतिम।
तमोहरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम।।
सूर्यस्य पश्य श्रेमाणं योन तन्द्रयते।

ऑडी इंडिया ने नई ऑडी ए4 के लिए बुकिंग शुरु की

मुंबई। जर्मन लक्जरी कार विनिर्माताऑडी ने पांचवी पीढ़ी की ऑडी ए4 की बुकिंग भारत में आरंभ कर दी है। 2.0 लीटर, 4 सिलिंडर टीएफएसआई पैट्रोल इंजिन से सशक्त नई ऑडी ए4 उत्कृष्ट ड्राइवेबिलिटी का वादा करती है और यह अपडेटिड फीचर्स से भरपूर है। खूबसूरत डिजाइन, आरामदेह व तकनीक से समृद्ध केबिन, आला दर्जे की कनेक्टिविटी और अपने वर्ग में सर्वश्रेष्ठ इंफोटेनमेंट इस कार के लक्जरी व डायनमिक गुणों को प्रदर्शित करते हैं। ऑडी ए4 को रु. 2 लाख की प्रारंभिक राशि पर बुक किया जा सकता है। सर्वोत्तम मालिकाना अनुभव के लिए ऑडी इंडिया प्रिबुकिंग पर 4 साल का कॉम्प्रिहेंशिव सर्विस पैकेज पेश कर रही है। इस घोषणा पर आडी इंडिया के प्रमुख श्री बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा, ''नई ऑडी ए4 के लिए बुकिंग शुरू करने पर हम बेहद खुशी हैं। वर्ष 2021 के लिए यह हमारा पहला प्रोडक्ट लांच होगा। ऑडी की ए रेंज में ऑडी ए4 हमारे सबसे ज्यादा बिकने वाले मॉडलों में से एक है और यह नई पेशकल इस सैगमेंट में बहुत ही इनोवेशस लेकर आएगी। नई ए4 की स्टाईलिंग व फीचर्स में कई बदलाव किए गए हैं और यह स्पोर्टीनेस व परि'कार का बेहतरीन मिश्रण है। हमें यकीन है कि यह हाई परफॉरमेंस सिडैन प्रगतिशील व सुस्थापित व्यक्तियों को अवश्य आकर्षित करेगी।''

शक्तिशाली इंजन और इनोवेटिव टेक्नोलॉजी होने की वजह से नई ऑडी ए4 कई काम आ सकती है फिर चाहे काम के सिलसिले में रोज़ाना का आवागमन हो या सप्ताहांत पर पर्यटन हेतु एक स्पोर्टी लक्जरी सिडैन की आवश्यकता हो, यह दोनों जरूरतें पूरी करती है। श्री ढिल्लों ने आगे कहा, 'नई ऑडी ए4 हमारे लिए एक मजबूत वर्ष की शुरूआत करेगी और हमें विश्वास है कि हम इस सैगमेंट में खरीददारों को आकर्षित कर सकेंगे।

कच्चे जूट की कमी से रबी फसलों की पैकेजिंग का काम प्रभावित हो सकती है

कोलकाता। एजेंसी

जूट मिलों को कच्चे जूट की आपूर्ति में लगातार व्यवधान के कारण, बारदाना बनाने वाली मिलों का काम बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जिससे रबी फसलों को रखने के लिए जूट की बोरियों की कमी पड़ सकती है। उद्योग के सूत्रों ने मंगलवार को यहां एक अनुमान के आधार पर कहा कि जमाखेरी के चलते 20 लाख गांठ जूट बाजार में नहीं आ रही है जबकि जूट मिलों को उनकी जरूरत का 50 प्रतिशत माल ही मिल रहा है। जूट मिल मालिकों के एक वर्ग का दावा है कुछ इकाइयों ने परिचालन बंद कर दिया है क्योंकि उन्हें उचित मूल्य पर पर्याप्त कच्चा

माल नहीं मिल सका। कच्चे जूट की जमाखोरी को रोकने के लिए, जूट उद्योग नियामक जूट आयुक्त ने 17 नवंबर से स्टॉकिस्टों को 500 क्विंटल से अधिक कच्चे जूट नहीं रखने का आदेश है। यह आदेश ऐसे समय आया है जब कच्चे जूट की कीमत 6,000 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक हो गई है और इससे बोरियों का निर्माण प्रभावित हुआ है। हालांकि, व्यापारियों ने कच्चे जूट स्टॉक सीमा आदेश को कलकत्ता उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। हाल ही में, जूट नियामक को अदालत ने स्टॉक सीमा के अनुपालन के अधिक समय देने पर विचार करने को कहा है।अदालत ने हालांकि कहा कि जूट आयुक्त कार्यालय, समयसीमा विस्तार की अवधि समाप्त होने के बाद कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र होगा। सोमवार को समूह के मंत्रियों की एक बैठक के दौरान, पश्चिम बंगाल सरकार ने संकेत दिया कि यदि आपूर्ति को सुव्यवस्थित नहीं किया जाता है, तो व्यापारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। बैठक की अध्यक्षता राज्य के वित्त मंत्री अमित मित्रा ने की। राज्य कृषि विभाग के विश्लेषण के आधार पर, सरकार संभवतः इस महीने के अंत तक आयोजित होने वाली अगली बैठक में कच्चे जूट के लिए उचित मूल्य तय करेगी।

जाली बिल के जरिए टैक्स चोरी करने वालों की खैर नहीं, सरकार ने किया यह काम

नई दिल्ली। एजेंसी

वित्त मंत्रालय ने कहा है कि 50 लाख रुपये से अधिक के मासिक कारोबार वाली इकाइयों को अनिवार्य रूप से 1 प्रतिशत माल एवं सेवा कर (उएऊ) देनदारी का भुगतान नकद में करना होगा। यह कदम जाली बिल (ग्हन्दग्म) के जरिए कर चोरी रोकने के लिए उठाया गया है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने जीएसटी नियमों में नियम 86बी पेश किया है। यह नियम इनपुट कर क्रेडिट (आईटीसी) का अधिकतम 99 प्रतिशत तक ही इस्तेमाल जीएसटी देनदारी निपटाने की अनुमति देता है। सीबीआईसी ने बुधवार कहा, 'किसी महीने में करयोग्य आपूर्ति का मूल्य 50 लाख रुपये से अधिक होने पर कोई भी पंजीकृत व्यक्ति इलेक्ट्रॉनिक क्रेडिट लेजर में उपलब्ध राशि का इस्तेमाल 99 प्रतिशत से अधिक कर देनदारी को पूरा करने के लिए नहीं कर सकता।' कारोबार की सीमा की गणना करते समय जीएसटी छूट वाले उत्पादों या शून्य दरों वाली आपूर्ति को इसमें शामिल नहीं किया जाएगा। हालांकि, कंपनी के प्रबंध निदेशक या किसी भागीदार ने यदि एक लाख रुपये से अधिक का आयकर दिया है अथवा पंजीकृत व्यक्ति को इससे पिछले वित्त वर्ष के दौरान इस्तेमाल न हुए इनपुट कर क्रेडिट पर एक लाख रुपये से अधिक का रिफंड मिला है, तो यह अंकुश लागू नहीं होगा।

क्या फायदा होगा

ईवाई के कर भागीदार अभिषेक जैन ने कहा कि सरकार ने 50 लाख रुपये मासिक से अधिक के करयोग्य कारोबार पर इनपुट कर क्रेडिट के जरिये कर देनदारी के भुगतान को 99 प्रतिशत तक सीमित किया है। जैन ने कहा, 'इस कदम का मकसद कंपनियों को जाली बिलों के जरिये आईटीसी का दुरुपयोग करने से रोकना है।'

बजाज चेतक ने फिर रचा इतिहास

बना सबसे ज्यादा बिकने वाला इलेक्ट्रिक स्कूटर

बजाज ने 2020 की शुरुआत में इलेक्ट्रिक स्कूटर चेतकको लॉन्च किया था। लेकिन कोरोना की वजह से इस स्कूटर की ब्रिकी अच्छी नहीं रह पाई। हालांकि अब हालात सामान्य होते नज़र आ रहे हैं इसी वजह से बीते कुछ महीनों से इस स्कूटर की सेल में इजाफा देखा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक चेतक की तीन महीने सितंबर, अक्टूबर और नवंबर में कुल 800 यूनिट को मार्केट में बेचा गया है। यह आंकड़ा बहुत ज्यादा नहीं है, लेकिन इलेक्ट्रिक सेगमेंट में मौजूद अन्य प्रतिद्वंदी के मुकाबले चेतक की सेल काफी अच्छी रही है। वहीं TVS iQube इलेक्ट्रिक स्कूटर की पिछले तीन महीनों के भीतर भारत में केवल 138 यूनिट सेल हुई हैं।

चेतक की खासियतें

बजाज चेतक के फीचर्स की बात कि जाए तो चेतक में 3KW बैटरी पैक का इस्तेमाल किया गया है, जो 4.8Kwh क्षमता की मोटर को पावर देता है। यह मोटर 16nm का पीक टॉर्क और 6.44bhp की मैक्सिमम पावर जेनरेट करने में सक्षम है। कंपनी के दावे के अनुसार बजाज चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर इको मोड में 95 किमी और स्पोर्ट मोड में 85 किमी की रेंज देने में सक्षम है।

जल्द सुजुकी भी ला रही इलेक्ट्रिक वाहन

इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में अपनी मौजूदगी दर्ज करने के लिए सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया ने भी अपनी बर्गमैन इलेक्ट्रिक को लगभग तैयार कर लिया है। जिसे हाल ही में गुरुग्राम की सड़क पर परीक्षण के दौरान देखा गया था। वहीं बजाज ऑटो ने यूरोपीय बाजार में चेतक का रास्ता बनाते हुए इसके डिजाइन को आधिकारिक रूप से पंजीकृत किया है।

आतिथ्य, पर्यटन क्षेत्र को 2020 ने दिया झटका, 2021 में सरकार के समर्थन पर टिकीं उम्मीदें

नयी दिल्ली। कोरोना वायरस जैसे बिन बुलाए मेहमान ने ना सिर्फ भारत, बल्कि दुनियाभर में मेहमानों की आवभगत करने वाले आतिथ्य एवं पर्यटन क्षेत्र के लिए अस्तित्व का संकट खड़ा कर दिया। चालू साल में तीन तिमाहियों में घरेलू आतिथ्य एवं पर्यटन क्षेत्र को 15 लाख करोड़ रुपये तक के नुकसान का अनुमान है। वर्ष 2021 में आतिथ्य और पर्यटन क्षेत्र को हालात में सुधार और सरकार से मदद मिलने की बहुत उम्मीद है। लॉकडाउन खुलने के बाद अर्थव्यवस्था के अधिकतर क्षेत्र सुधार की राह पर हैं, लेकिन आतिथ्य एवं पर्यटन क्षेत्र में अभी स्थिति ज्यों की त्यों बनी हुई है। ऐसे में क्षेत्र के विशेषज्ञों ने सरकार से तब तक लक्षित समर्थन देने की गुजारिश की है जब तक टीके को लेकर लोगों में विश्वास नहीं पैदा हो जाता। इससे उन्हें अपने कारोबार को चालू रखने और लोगों की नौकरियां बचाए रखने में मदद मिलेगी। फेडरेशन ऑफ एसोसिएशंस इन इंडियन टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी (फेथ) के चेयरमैन नकुल आनंद ने कहा, '' पिछली एक सदी से भी अधिक समय में ये तीन तिमाहियां उद्योग के लिए सबसे बुरी रही हैं। इस स्थिति के अगली दो तिमाहियों में तब तक बने रहने की उम्मीद है जब तक सभी लक्षित बाजारों एवं सूत्रों तक टीका नहीं पहुंच जाता।'' महामारी की शुरुआत के समय फेथ ने इससे तीन तिमाहियों में आतिथ्य और पर्यटन क्षेत्र पर 10 लाख करोड़ रुपये तक के नुकसान का आकलन किया था। आनंद ने कहा कि एकीकृत आधार पर पहली और दूसरी तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) आंकड़ों के अनुसार आतिथ्य और पर्यटन क्षेत्र में अर्थव्यवस्था के मुकाबले दोगुनी गिरावट देखी गयी है।

वेलस्पन कॉर्प लिमिटेड ने मध्य प्रदेश में अपनी अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधा का उद्घाटन

वन स्टॉप पाइप और कोटिंग फैसिलिटी 150 एकड़ से अधिक के क्षेत्र में

केंद्रीय, उत्तरी और पूर्वी क्षेत्रों में तेल, गैस और वाटर पाइप लाइन इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में योगदान देगी

भोपाल। आईपीटी नेटवर्क

वेलस्पन ग्रुप की कंपनी वेलस्पन कॉर्प लिमिटेड ने मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में अपनी अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधा का शुभारंभ किया है। यह फैसिलिटी राजधानी भोपाल के नजदीक स्थित है। वेलस्पन कंपनी वैश्विक स्तर पर वेल्डेड पाइप बनाने में अग्रणी है। इस सुविधा का उद्घाटन मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा किया गया। इस भव्य उद्घाटन समारोह में मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री श्री प्रभुराम चौधरी और औद्योगिक नीति व निवेश प्रोत्साहन मंत्री श्री राजवर्धन सिंह दत्तिगांव के अलावा वेलस्पन ग्रुप के चेयरमैन श्री बीके गोयनका मौजूद रहे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को अपनाने वाला मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य है, जिसने 'आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश' के रोडमैप को जारी किया है। इसमें बुनियादी ढांचे के विकास, स्वास्थ्य व शिक्षा, अर्थव्यवस्था व रोजगार के साथ सुशासन पर जोर दिया गया है। आर्थिक विकास के लिए औद्योगिक विकास में निवेश में तेजी लाने के राज्य के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के अनुरूप, वेलस्पन कॉर्प ने रायसेन जिले में अपनी विश्व स्तरीय पाइप और कोटिंग की सुविधा स्थापित की, जो रणनीतिक रूप से भोपाल के नजदीक स्थित है। 250 करोड़ रुपए के शुरुआती निवेश के साथ स्थापित की गई यह अत्याधुनिक फैसिलिटी रायसेन जिले के जमुनिया खेजड़ा में 150 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में फैली हुई है। यह सुविधा मध्य प्रदेश में लागत प्रभावी, संवहनीय और मजबूत जल परिवहन और बुनियादी ढांचे के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी । 305एमएमटीपीए की इसकी स्थापित क्षमता विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए बड़े व्यास के पाइपों की निर्बाध आपूर्ति प्रदान करेगी, जो लाखों लोगों को सीधे प्रभावित करती है। इसमें वे किसान भी शामिल होंगे, जो अपनी सिंचित भूमि को बढ़ाना चाहते हैं। पानी के अलावा यह सुविधा केंद्रीय और पूर्वी क्षेत्रों में मजबूत तेल और गैस पाइपलाइन ग्रिड के जरिए विकास में मददगार होगी।

इस उद्घाटन के अवसर पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, 'प्रधानमंत्री के 'आत्मानिर्भर भारत' के दृष्टिकोण के बाद, 'आत्मानिभर मध्यप्रदेश' का रोडमैप जारी करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है। 'और वेलस्पन समूह राज्य में आर्थिक विकास को बढ़ाने में मध्यप्रदेश का भागीदार है। मुझे वेलस्पन की क्षमताओं पर पूरा भरोसा है। यह विश्वस्तरीय पाइप और कोटिंग सुविधा राज्य में स्थायी जल बुनियादी ढांचे के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और विशाल रोजगार पैदा करेगी।' न्वेलस्पन ग्रुप के चेयरमैन श्री बीके गोयनका ने लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए कहा , 'कई क्षेत्रों में व्यापक व्यावसायिक हितों के साथ एक संगठन के रूप में वेलस्पन ग्रुप ने हमेशा स्थानीय समुदायों के लिए बेहतर उद्देश्यों के साथ व्यापार के उद्देश्यों को संतुलित करने का प्रयास किया है। वेलस्पन कॉर्प की भोपाल यूनिट का शुभारंभ इस प्रतिबद्धता की तरफ एक और कदम है। इस फैसिलिटी के माध्यम से हम न केवल मध्यप्रदेश और भारत भर में, बल्कि पानी के मजबूत और लचीले बुनियादी ढांचे की बढ़ती मांग को पूरा करेंगे। साथ ही स्थानीय समुदायों को आकर्षक रोजगार के अवसर प्रदान करके उनका उत्थान करेंगे। वेलस्पन, सीएसआर गतिविधियों और उसके आस-पास क्षेत्र सीएसआर गतिविधियों को रोल आउट करेगा ताकि सामान्य समाज के उत्थान में अपना योगदान दे सके। वेलस्पन कॉर्प लिमिटेड के एमडी श्री विपुल माथुर ने कहा, 'एक विकासशील देश के रूप में भारत के बुनियादी ढांचे की जरूरत पिछले कुछ दशकों में काफी बढ़ी है। हमें अब महत्वपूर्ण साधनों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बेहतर उपकरण, बेहतर समाधान और बेहतर रणनीतियों की आवश्यकता है। वेलस्पन कॉर्प में हम सबसे अच्छे समाधान, संसाधन, और तकनीकी जानकारी प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे इस बढ़ती जरूरत को पूरा करने में मदद मिल सके।

फिर घटे गोल्ड के दाम, चांदी में 933 रुपये की गिरावट, फटाफट देखें नई कीमतें

नई दिल्ली। भारतीय बाजारों में आज फिर गोल्ड के भाव में मामूली गिरावट दर्ज की गई है. दिल्ली सर्राफा बाजार में 23 दिसंबर 2020 को सोने के भाव (Gold Price Today) में 252 रुपये की कमी आई. वहीं, चांदी के दाम में आज 900 रुपये से ज्यादा कमी दर्ज की गई है. एक किलोग्राम चांदी (Silver Price Today) 933 रुपये सस्ती हो गई है. पिछले कारोबारी सत्र के दौरान दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 49,758 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था. वहीं, चांदी 67,429 रुपये प्रति किग्रा पर थी. जानकारों के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने का भाव बढ़ा और चांदी स्थिर रही. इसके बाद भी भारतीय बाजारों में दोनों कीमती धातुओं के दाम गिर गए.

सोने की नई कीमतें (Gold Price, 23 December 2020) - दिल्ली सर्राफा बाजार में बुधवार को सोने का भाव 252 रुपये प्रति 10 ग्राम घट गया. राजधानी दिल्ली (अप्प) में 99.9 ग्राम शुद्धता वाले सोने का नया भाव अब 49,506 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है. इसके पहले कारोबारी सत्र में सोने का भाव

49,758 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था. वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव आज मामूली तौर पर बढ़कर 1,868 डॉलर प्रति औंस रहा है.

चांदी की नई कीमतें (Silver Price, 23 December 2020) - चांदी की बात करें तो बुधवार को इसमें ठीकठाक गिरावट दर्ज की गई. दिल्ली सर्राफा बाजार में आज चांदी की कीमतों में 933 रुपये प्रति किलोग्राम की कमी आई है. अब इसके दाम 66,493 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गए हैं. अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज चांदी का भाव 25.53 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ.

क्यों घट रहे कीमती धातुओं के दाम - मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेस के वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटीज) नवनीत दमानी ने कहा कि सोने की कीमतें पहले ही काफी बढ़ चुकी थीं. वहीं, अमेरिका में प्रोत्साहन पैकेज को मंजूरी के बाद अर्थव्यवस्था में सुधार की उम्मीदें बढ़ गई हैं. ऐसे में निवेशकों ने गोल्ड में आज खरीदारी कम की. हालांकि, ब्रिटेन में कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है. ज्यादातर देशों ने ब्रिटेन से फिलहाल सीधा संपर्क काटकर अपनी सीमाएं बंद कर दी हैं. उन्होंने कहा कि अगर ये डर और चिंता बढ़ी तो दोनों कीमती धातुओं की कीमतों में फिर बढ़ोतरी होनी शुरू हो जाएगी.

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित । संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुन: प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।